Q: "फोरम शॉपिंग" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक ऐसी स्थिति है जब एक वादी एक अदालत में जाता है लेकिन उसे वांछित राहत नहीं मिलती है और फिर वह दूसरी अदालत में जाता है।
2. एक वादी शीर्ष अदालत में सीधे नहीं जा सकता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: a
व्याख्या:

- SC ने आगे कहा कि 'फोरम शॉपिंग' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जब एक वादी एक अदालत में जाता है लेकिन उसे वांछित राहत नहीं मिलती है और फिर उसी मामले में राहत पाने के लिए दूसरी अदालत में जाता है।
- अपनी मुकदमेबाजी की रणनीति के हिस्से के रूप में, वकील सोचते हैं कि संपर्क करने के लिए कौन सा उचित मंच होगा। उदाहरण के लिए, एक याचिकाकर्ता इस मुद्दे के लिए अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिए जनहित याचिका (पीआईएल) के माध्यम से उच्च न्यायालय के बजाय सीधे शीर्ष अदालत में जा सकता है।

Q: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिएः

1. कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण: आंध्र प्रदेश और ओडिशा
2. महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण: ओडिशा और छत्तीसगढ़
3. रावी और ब्यास जल न्यायाधिकरण: पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
4. महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण: गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल एक जोड़ा सही है
b) केवल तीन जोड़े सही हैं।
c) केवल दो जोड़े सही हैं
d) चारों जोड़े सही हैं

उत्तर: b
व्याख्या:

भारत में सक्रिय नदी जल विवाद न्यायाधिकरण

- कृष्णा जल विवाद ट्रिब्यूनल II (2004) - कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र
- महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण (2018) - ओडिशा और छत्तीसगढ़
- महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण (2010) - गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र
- रावी और ब्यास जल न्यायाधिकरण (1986) - पंजाब, हरियाणा, राजस्थान
- वंसधारा जल विवाद न्यायाधिकरण (2010) - आंध्र प्रदेश और ओडिशा।

Q: कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. इसका प्राथमिक उद्देश्य 'कार्बन रिसाव' को रोकना है।
2. यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने इस तंत्र पर हस्ताक्षर किए।
3. यह अधिक कार्बन-गहन आयात के साथ यूरोपीय संघ निर्मित उत्पादों को प्रतिस्थापित करेगा।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: c
व्याख्या:

- हाल ही में, यूरोपीय आयोग में सह-विधायकों ने कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) पर हस्ताक्षर किए।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य 'कार्बन रिसाव' को रोकना है। यह एक ऐसी घटना को संदर्भित करता है जहां एक यूरोपीय संघ निर्माता कम कठोर जलवायु नीतियों वाले क्षेत्र के बाहर के देशों में कार्बन-गहन उत्पादन को स्थानांतरित करता है।
- दूसरे शब्दों में, यूरोपीय संघ द्वारा निर्मित उत्पादों को अधिक कार्बन-गहन आयात के साथ बदलें।

Q: राष्ट्रपति की अध्यादेश बनाने की शक्ति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. यदि राष्ट्रपति इसे वापस ले लेते हैं, या यदि दोनों सदन इसे अस्वीकार करते हुए प्रस्ताव पारित करते हैं, तो अध्यादेश पहले ही समाप्त हो सकता है।
2. यदि कोई अध्यादेश ऐसा कानून बनाता है कि संसद संविधान के तहत अधिनियमित करने के लिए सक्षम नहीं है, तो इसे शून्य माना जाएगा।
3. अध्यादेश अगला सत्र शुरू होने की तारीख से छह सप्ताह या 42 दिनों के लिए वैध होता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत (संसद के अवकाश के दौरान अध्यादेश जारी करने की राष्ट्रपति की शक्ति), "यदि किसी भी समय, संसद के दोनों सदनों के सत्र में होने के अलावा, राष्ट्रपति इस बात से संतुष्ट हैं कि ऐसी परिस्थितियाँ मौजूद हैं जो उनके लिए आवश्यक हैं तत्काल कार्रवाई, वह ऐसे अध्यादेशों को प्रख्यापित कर सकता है क्योंकि परिस्थितियाँ उसे आवश्यक प्रतीत होती हैं।

- यदि राष्ट्रपति इसे वापस ले लेते हैं, या यदि दोनों सदन इसे अस्वीकार करते हुए प्रस्ताव पारित करते हैं, तो अध्यादेश पहले ही समाप्त हो सकता है। (हालांकि, एक अध्यादेश की अस्वीकृति का अर्थ यह होगा कि सरकार ने बहुमत खो दिया है।)
- साथ ही, यदि कोई अध्यादेश कानून बनाता है कि संसद संविधान के तहत अधिनियमित करने के लिए सक्षम नहीं है, तो इसे शून्य माना जाएगा।
- अध्यादेश अगला सत्र शुरू होने की तारीख से छह सप्ताह या 42 दिनों के लिए वैध होता है। यदि दोनों सदन अलग-अलग तिथियों पर अपना सत्र शुरू करते हैं, तो बाद की तारीख पर विचार किया जाएगा, अनुच्छेद 123 और 213 में स्पष्टीकरण कहें।

Q: लेदरबैक कछुए के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. वे आर्कटिक और अंटार्कटिक को छोड़कर हर महासागर में पाए जाते हैं।
2. ये समुद्री कछुओं की एकमात्र प्रजाति हैं जिनमें शल्कों और सख्त खोल की कमी होती है।
3. यह IUCN की लाल डेटा सूची में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध है और परिशिष्ट I का हवाला देता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- लेदरबैक कछुओं को उनके खोल के लिए नामित किया जाता है, जो अन्य कछुओं की तरह कठोर होने के बजाय चमड़े जैसा होता है।
- वे सबसे बड़ी समुद्री कछुए की प्रजातियां हैं और अटलांटिक और प्रशांत महासागरों दोनों को पार करते हुए सबसे प्रवासी में से एक हैं।
- प्रशांत चमड़े के टुकड़े कोरल त्रिकोण में घोंसले के शिकार समुद्र तटों से कैलिफोर्निया तट तक प्रचुर मात्रा में जेलीफिश को खिलाने के लिए प्रवास करते हैं।
- IUCN को कमजोर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, लेकिन कई उप-आबादी (जैसे प्रशांत और दक्षिण पश्चिम अटलांटिक में) गंभीर रूप से लुप्तप्राय हैं।
- यह साइट परिशिष्ट I में भी सूचीबद्ध है।
- प्रशांत लेदरबैक कछुए की आबादी विलुप्त होने का सबसे अधिक खतरा है।
- प्रशांत चमड़े के बैक स्पॉटलाइट पहल में राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) प्रजातियों में पहचाने गए 9 ईएसए-सूचीबद्ध प्रजातियों में से एक हैं।